सशक्त दिव्यांग, सशक्त राष्ट्र संगोष्ठी का आयोजन

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस पर सरिया कॉलेज में कार्यक्रम

प्रतिनिधि, सरिया

सरिया महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित दिव्यांग व अन्य.

सरिया कॉलेज में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर 'सशक्त दिव्यांग, सशक्त राष्ट्र' विषय पर संगोष्ठी हुई. अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ संतोष कुमार लाल ने कहा कि दिव्यांगजन भले ही शारीरिक रूप से अक्षम हों, पर वे मानसिक रूप से सक्षम हैं. मानसिक सक्षमता ही उन्हें साहस देती है. वे समाज की मुख्यधारा में रहकर बेहतर कार्य करते हैं. जरूरत है कि हम बिना भेदभाव के हम उनके जीवन का सहारा बनें. उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित व जागरूक करने की जरूरत है. उन्होंने विद्यार्थियों के कमजोर शैक्षिक पक्ष का भी उजागर किया.

दिव्यांगता अभिशाप नहीं : दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के नोडल पदाधिकारी डॉ प्रमोद कुमार ने कहा कि यह दिवस शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से मनाया जाता है. कहा कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं है, इसलिए इसे वरदान के रूप में लें. इस समुदाय को सशक्त किये बिना देश सशक्त नहीं हो सकता है. इनकी समता और समावेशीमूलक भविष्य के लिए हमें उन्हें सम्मान देने की जरूरत है. इसी भाव से हमारे दिव्यांग भाई-बहन शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला, प्रशासन और उद्यमिता के क्षेत्र में नई मिसालें कायम कर रहे हैं. डॉ शिलेश मोहन ने कहा कि दिव्यांगजन हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें सम्मान, अधिकार तथा समान अवसर प्रदान करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है. दिव्यांगजनों की प्रेरणादायक उपलब्धि का उल्लेख किया. हाल ही में भारत की दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीतकर देश का गौरव बढ़ाया. कहा कि इतिहास में ऐसे कई महान उदाहरण मिलते हैं, जिनका शरीर लगभग अशक्त था, फिर भी वे देश-विदेश में महान सिद्ध हुए. यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो कोई भी बाधा सफलता के रास्ते में नहीं आती. इस दौरान दिव्यांग विद्यार्थियों को सम्मान स्वरूप शैक्षिक सामग्री दी गयी. संचालन डॉ प्रमोद कुमार ने किया. प्रो रघुनंदन हजाम, डॉ आशीष कुमार सिंह, डॉ श्वेता सहित काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे.

दिव्यांग जनकल्याण संघ ने डीसी को सौंपा ज्ञापन : गिरिडीह. दिव्यांग जनकल्याण संघ ने बुधवार को डीसी को एक ज्ञापन सौंपा है. ज्ञापन में कहा कि झारखंड राज्य के दिव्यांगजन लगातार उपेक्षा एवं मूलभूत अधिकारों के अभाव से जूझ रहे हैं. इस संदर्भ में राज्य के दिव्यांगजनों की ओर पांच मागें की गयी है. इनमें दिव्यांगजनों के लिए रोजगार और आर्थिक सुरक्षा, सरकारी सेवाओं में 5 प्रतिशत आरक्षण का वास्तविक कार्यान्वयन, कौशल विकास, स्वरोजगार और स्टार्टअप के लिए विशेष वित्तीय सहायता, दिव्यांग पेंशन राशि 1000-3000 प्रतिमाह करने, प्रमाण पत्र प्रक्रिया सरल, त्वरित एवं ऑनलाइन, मुफ्त दवाई, थेरेपी एवं स्वास्थ्य जांच उपलब्ध, छात्रवृत्ति राशि में वृद्धि, सभी शिक्षा संस्थानों में रैम्प व सहायक उपकरण अनिवार्य, सुगम्यता एवं परिवहन सुविधा, सरकारी भवनों, अस्पतालों, बस स्टैंड एवं रेलवे स्टेशनों में सहूलियतें सुनिश्चित करने, सार्वजनिक परिवहन में रियायत एवं प्राथमिकता सुविधा मिलने की मांग की गयी.

हिन्दुस्तान

'बिना भेद-भाव के हम दिव्यांग लोगों के जीवन का सहारा बनें'

- सरिया कॉलेज में दिव्यांग दिवस पर संगोष्ठी का किया गया आयोजन
- कहा,दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि इसे वरदान के रूप में लें

सरिया, प्रतिनिधि। बुधवार को सरिया कॉलेज, सरिया में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर "सशक्त दिव्यांग - सशक्त राष्ट्र" विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार लाल ने की।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दिव्यांगजन भले ही शारीरिक रूप से अक्षम हो, पर वे मानसिक रूप से सक्षम हैं। मानसिक सक्षमता ही उन्हें साहस प्रदान करता है और वे समाज की मुख्य धारा में रहकर बेहतर कार्य करते हैं।बस जरूरत है बिना भेद-भाव के हम उनके जीवन का सहारा बनें। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित व जागरूक करने की जरूरत है। उन्होंने छात्रों के कमजोर शैक्षिक पक्ष को भी

सरिया में संगोष्ठी में शामिल छात्र।

उजागर किया। दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि यह दिवस शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष 3 दिसंबर को मनाया जाता है। कहा कि दिव्यांगता कोई अभिशाप नहीं, बल्कि इसे वरदान के रूप में लें। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद कुमार ने किया।इस मौके पर प्रो. रघुनंदन हजाम, डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. स्वेता सहित बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित हुए।

दैनिक भास्कर गिरिडीह भास्कर 04-12-2025

सरिया में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर संगोष्ठी, दिव्यांगों को सम्मान और समान अवसर देने पर दिया गया जोर

दिव्यांगता अभिशाप नहीं, उनके साथ भेदभाव न करें, वे समाज के महत्वपूर्ण अंग : डॉ प्रमोद

भास्कर न्यूज | सरिया

सरिया कॉलेज सरिया में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर सशक्त दिव्यांग सशक्त राष्ट्र विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार लाल ने की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन भले ही शारीरिक रूप से अक्षम हों, लेकिन मानसिक रूप से अत्यंत सक्षम हैं। उनकी यही मानसिक शक्ति उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। समाज की मुख्यधारा में बिना किसी भेदभाव के उनके साथ खड़ा होना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों के कमजोर शैक्षिक पक्ष पर भी चिंता जताई और उन्हें मजबूत बनाने पर बल दिया। दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं, बल्कि इसे एक नए अवसर के रूप में देखने की आवश्यकता है। दिव्यांगजनों को सशक्त किए बिना राष्ट्र सशक्त नहीं हो सकता। आज दिव्यांगजन शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला और उद्यमिता में नई मिसालें स्थापित कर रहे हैं। वहीं डॉ. शिलेश मोहन ने दिव्यांगजनों को समाज का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि उन्हें सम्मान,अधिकार और समान अवसर देना हमारा नैतिक दायित्व है। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग विद्यार्थियों को सम्मानस्वरूप शैक्षिक सामग्री प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद कुमार ने किया। मौके पर प्रो. रघुनंदन हजाम, डॉ. आशीष कुमार सिंह, डॉ. स्वेता सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

दिव्यांग विषय पर आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित प्राचार्य व अन्य।

दिव्यांग शिबू को राष्ट्रीय दिव्यांग रत्न अवार्ड मिला

डुमरी |

डुमरी के पोरदाग निवासी दिव्यांग शिबू कुमार रजक को दिव्यांग कल्याण समिति उत्तर प्रदेश द्वारा राष्ट्रीय दिव्यांग रत्न अवार्ड 2025 से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें सामाजिक नेतृत्व और दिव्यांगों के अधिकारों की रक्षा के क्षेत्र में किये गए योगदान के लिए मिला है। बुधवार को मेरठ में आयोजित सम्मान समारोह में समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के श्रम कल्याण परिषद अध्यक्ष पंडित सुनील भराला द्वारा उन्हें यह अवार्ड दिया गया।

सम्मान प्राप्त होने के बाद शिबू कुमार ने कहा कि यह पुरस्कार दिव्यांग समुदाय के हितों की रक्षा और उनके लिए सुविधाओं के विस्तार में उनकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा।